



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 74] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 17, 1975/माघ 28, 1896

No. 74] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 17, 1975/MAGHA 28, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Deptt. of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 17th February, 1975

S.O. 103(E)/18E/IDRA/75.—Whereas the Central Government by its Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 13(E) dated 3rd January, 1974, issued under clause (e) of sub-section (1) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised the Board of Management specified in that Order to take over the management of the Bombay unit of Messrs Hind Cycles Limited, Bombay (hereinafter referred to as the industrial undertaking), for the period specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18E of the said Act, the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto the exemptions, restrictions, and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said notified Order under section 18A.

THE SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking.
1	2
Section 166	Provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking.
Section 210(1)	Provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking.
Section 224	Provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking.
Section 225	Provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking.

[F. No. 2/24/74-CUC]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

उद्योग और नागरिक रूति मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1975

का० आ० 103(अ)--18इ/आई डी आर० ए०/75--यतः केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (1) के खंड (ड) के अधीन जारी किये गये भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० 13 (ई) तारीख 3 जनवरी, 1974 द्वारा, उस आदेश में विनिर्दिष्ट प्रबंध बोर्ड को, मेसर्स हिन्द साइकल लिमिटेड मुम्बई के मुम्बई एकक (जिसे इसमें इस पश्चात् औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) का प्रबंध उसमें विनिर्दिष्ट अवधि के लिये ग्रहण करने के लिये प्राधिकृत किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18इ की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये इससे उद्भव अनुसूची में वे छूटें निर्वहन और परिसीमाएं विनिर्दिष्ट करती है जिन क अधीन रहने हुये कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) उस औद्योगिक उपक्रम को उसी रीति से लागू रहेगा, जैसे वह धारा 18क के अधीन जारी किये गये आदेश के जारी होने के पूर्व उसे लागू था ।

अनुसूची

कम्पनी अधिनियम- 1956 के उपबंध | वे अपवाद निर्वहन और परिसीमायें जिनके अधीन रहते हुये स्तम्भ (1) में उल्लिखित उपबंध उपक्रम को लागू होंगे

(1)	(2)
धारा 166	इस धारा के उपबंध इस औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।
धारा 210 (1)	इस धारा के उपबंध इस औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।
धारा 224	इस धारा के उपबंध इस औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।
धारा 225	इस धारा के उपबंध इस औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।

[फा० सं० 2/24/74-सी० यू० सी०]

डी० के० सक्सेना,
संयुक्त सचिव ।